12.03½ hrs.

REPRESENTATION OF THE PEOPLE (AMENDMENT) BILL*

The Deputy Minister in the Ministry of Law (Shri Jaganatha Rao): On behalf of Shri A. K. Sen, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Representation of the People Act, 1950.

Mr. Speaker: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Representation of the People Act, 1950."

The motion was adopted.

Shri Jaganatha Rao: I introduce the Bill.

12.04 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS—*contd.*

MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE —*contd.*

Mr. Speaker: The House will resume discussion on the Demands for Grants under the Ministry of Food and Agriculture. Out of nine hours allotted, 2 hours 50 minutes have been taken, and 6 hours 10 minutes remain. Shri Radhelal Vyas to continue his speech.

श्री युद्धवीर सिंह (महेन्द्रगढ़) : मंत्री महोदय बहस का जवाब कब देंगे ?

Mr. Speaker: Can the Minister sit for a few more minutes and reply today? (*Interruption*).

Several hon. Members: Tomorrow.

Mr. Speaker: All right; tomorrow.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (बिजनौर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आप से एक जानकारी चाहता था । आप ने शायद आज के समाचार पत्रों में इस आशय की खबर पढ़ी होगी कि उत्तर प्रदेश की मुख्य मन्त्रिणी श्रीमती सुचेता कृपलानी ने केन्द्रीय सरकार की जिम्मेदारी की चर्चा करते हुए । उत्तर प्रदेश की विधान सभा में यह कहा है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जो एक बिल्कुल पाकिस्तानी युनिवरसिटी हो गई है वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय केन्द्रीय सरकार के जिम्मे है . . .

अध्यक्ष महोदय : आप ने मुझे इस बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं दी कि आप यह मामला आज हाउस में उठाना चाहते हैं ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : इस विषय पर मैंने आपको एक कौलिंग अटेंशन नोटिस दिया था जिसे कि आपने यह कह कर अस्वीकार कर दिया था कि वह राज्य सरकार का मामला है और वह उसके अधीन है लेकिन उत्तर प्रदेश की मुख्य मन्त्री ने विधान सभा में कहा है कि यह केन्द्र की जिम्मेदारी है . . .

अध्यक्ष महोदय : आप मुझे लिख दीजिये या मुझ से मिल लीजिये और हम दोनों इस पर बैठ कर बात कर लेंगे ।

श्री मौर्य (अलीगढ़) : अध्यक्ष महोदय, मैं अलीगढ़ . . .

अध्यक्ष महोदय : जब मैंने उनको इजाजत नहीं दी तो फिर आपको कैसे दे सकता हूं ? आप बैठ जायें । श्री राधेलाल व्यास ।

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : कोई व्यवस्था का सवाल नहीं उठता है । एक काम खत्म हुआ है और दूसरा शुरू होने जा रहा है ।

श्री रामेश्वरानन्द : पहला खत्म हो गया है और दूसरा अभी शुरू होना है तो मैं अपनी व्यवस्था का सवाल जो कि अध्यक्ष महोदय आप से सम्बन्धित है उसे उठा सकता हूं । मैं

---

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 29th April, 1965.